AND CULTURE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI L. P. SHAHI):

(a) The percentage of literacy amongst Scheduled Castes in India is 21.30 according to 1981 Census.

(b) A number of incentives and facilities have been provided by Government at the Central and State levels to attract Scheduled Caste and Scheduled Tribe children to schools. Important steps so far taken are, provision of scholarships, freeships, free books and stationary, free uniforms, mid-day meals, opening of schools, non-formal education centres in Scheduled Caste Basties and Tribal areas, Ashram schools, hostels, etc; provision of coaching facilities and reservation of seats in educational institutions.

कला और संस्कृति के संवर्धन के लिये राज्यों को धनराशि

932. **श्री सन्तोष बागड़ोदिया** : क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या केन्द्रीय सरकार कला तथा संस्कृति के संवर्धन के लिए विभिन्न राज्यों को सहायता प्रदान कर रही है; और

(ख) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान इस प्रयोजनार्थ प्रदान की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है ?

मानव संसाधन मंत्रालय में शिक्षा और संस्कृति विभागों में राज्य मंत्री (श्री एल. पी. साहो) : (क) और (ख) राज्य सरकारों को धनराशि योजनागत अनुदानों/सहायता के माध्यम से प्रदान की जाती है । तथापि, केन्द्रीय सरकार और इसकी एजेन्सियां अपने-अपने राष्ट्रीय और क्षेत्रीय कार्यक्रमों एवं स्वय-सेवी संगठनों को अनुदानों के माध्यम से कला और संस्कृति को बढ़ावा देती हैं ।

आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय

933. **श्री सन्तोष बागड़ोदिया** : क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में इस समय कितने आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय हैं और वे कहां-कहां पर हैं ;

(ख) यदि राजस्थान में इस प्रकार के आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय हैं तो उनमे से प्रत्येक वर्ष कितने विद्यार्थी स्नातक की डिग्री प्राप्त करते हैं; और

(ग) क्या यह सच है कि आयुर्वेदिक विश्वविद्यालयों के अनेक डिग्रीधारी बेरोजगार हैं ; यदि हां, तो इस प्रकार के स्नातकों की संख्या कितनी है और सरकार उन्हें रोजगार देने के लिए क्या-क्या उपाय कर रही है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (कुमारी सरोज खापर्डे) : (क) देश में केवल एक आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय नामत: गुजरात आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय, जामनगर सर्वांगपूर्ण विश्व-विद्यालय है । ऐसे अन्य विश्वविद्यालयों के नाम, जिनमें आयुर्वेदिक संकाय/विभाग हैं, विवरण-I में दिए गए हैं (**नीचे देखिये**) ।

(ख) उपलब्ध सूचना के अनुसार राजस्थान विश्वविद्यालय से वर्ष 1985, 1986 और 1987 में स्नातक की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों की संख्या विवरण–II में दी गई है (नीचे देखिये) ।

(ग) देश में रोजगार कार्यालयों में 31 दिसम्बर, 1986 तक पंजीकृत आयुर्वेदिक फिजिशियनों की संख्या 10,899 है । वर्ष 1987 के लिए आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं।

यह जरूरी नहीं है कि रोजगार कार्यालय के चालू रजिस्टर में दर्ज सभी रोजगार ढूंढने वाले व्यक्ति बेरोजगार ही हों, तथा यह भी जरूरी नहीं है कि सभी बेरोजगारों ने रोजगार कार्यालयों में अपने नाम दर्ज कराए हों । व्यवसायिक अर्हता प्राप्त स्नातकों के लिए